भजन

तर्ज : बड़ा बेदर्द जहाँ है

पिया के नैन नुरानी, पिया की नजर सुहानी
पीती है जाम निराले, पिया की दिवानी

1. जिन नैनों से बरस रहे, प्रेम इश्क के रंग
उन नैनों में खो गया, रूह का इक–इक अंग
बेखुदी ऐसी छाई, इश्क की मन्जिल पाई
पीती है.....

2. नैन समन्दर में भरा, इश्क लहर का जोर
ये रहमानी अंग है, ना कोई इनकी जोड़
जो कोई रुह दरगाही, इन्हीं में रहे समाई
पीती है.....

3. रुह के दिल को बाँध के, रखने वाले नैन
रुह के नैनों में सदा, बसने वाले नैन
नैनों की नूर लालीयाँ, देखती इश्क वालीयाँ
पीती है.....